दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

**आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।**

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 14 जून 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 254

## महत्वपूर्ण एवं खास

### ट्रक और तेल टैंकर में भिंड़त में लगी भीषण आग, 3 लोग जिंदा जले

**आसनसोल (आरएनएस)।** देश में महामारी कोरोना वायरस के कालखंड के दौर में आये दिन अलग-अलग जगहों पर छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं एवं अनहोनी भी घटनाएं समाने आ हो रही हैं। कभी कहीं आग तो कभी सड़क हादसे जैसी खबरें आए दिन सुनने को मिल रही हैं। वहीं आज सुबह-सुबह पश्चिम बंगाल में आसनसोल के कल्ला मोड़ में 2 वाहनों में टक्कर होने से वाहनों में आग लगने की घटना सामने आई है। आग पर काबू पाने से पहले ही 3 लोग आग में जिंदा जल गए और घटना स्थल पर उनकी मौत हो गई। घटना में ट्रक चालक, एक साइकिल सवार की मौत हो गई, जबकि एक अन्य राहगीर की हालत गंभीर है। मृतकों के नामों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया गया। बता दें कि आसनसोल उत्तर थानान्तर्गत कल्ला मोड़ पर रविवार की सुबह भयावह सड़क हादसे में दो वाहनों की टक्कर में आग लग गई। इस हादसे मे तीन की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इंडिया आयल का वाहन आसनसोल से रानीगंज की ओर जा रहा था। वहीं, एक दवा का ट्रक कोलकाता से आसनसोल की ओर आ रहा था। कल्ला मोड़ के पास दो मछली विक्रेता खड़े थे। उन्हें बचाने के प्रयास में ट्रक चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाए जाने से वह अनियंत्रित होकर विपरीत लेन में जाकर टैंकर से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विस्फोट के साथ वाहनों में आग लग गई। आवाज सुनकर लोग इकट्ठा हो गये।

### पीयूष गोयल ने तिरुमला मंदिर में की पूजा-अर्चना

**तिरुमला (आरएनएस)।** रेल मंत्री पीयूष गोयल ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ आज सुबह यहां भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। गोयल के आगमन पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ए. वी. धर्म रेड्डी और मंदिर के पुजारियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें अपने साथ गर्भगृह तक लेकर गये। बाद में श्री गोयल को वैदिक पंडितों ने वेदाशिर्वचनम प्रदान किया और उन्हें श्रीवरी तीर्थ प्रसाद और भगवान वेंकटेश्वर की लेमिनेशन की गयी फोटो भेंट की गयी। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मंत्री एस बी राजेंद्रनाथ, एमपी गुरुमूर्ति, टीटीडी बोर्ड के सदस्य चाविरेड्डी भास्कर रेड्डी और अन्य लोग उपस्थित थे।

### 7 साल की दोस्ती के बाद दो लड़कियों ने की एक-दूसरे से शादी

**गुरुग्राम (आरएनएस)।** दो युवती की सात साल की दोस्ती कब प्यार में बदल गई कि दोनों ने शादी के बंधन में बंध कर एक दूसरे के साथ होने की जीने-मरने का वादा कर लिया। दरअसल, हरियाणा के गुरुग्राम और झज्जर जिले की दो लड़कियों ने सोहना स्थित एक मंदिर में कर ली है। पुलिस के मुताबिक गुरुग्राम के पटौदी इलाके की रहने वाली 20 साल की लड़की की झज्जर के एक स्कूल में पढ़ने के दौरान 19 साल की लड़की से दोस्ती हो गई थी। दोनों पिछले 7 साल से दोस्त हैं। दोनों लड़कियों ने आपसी सहमति से शुक्रवार को सोहना स्थित एक मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी कर ली। गुरुग्राम के पटौदी क्षेत्र की युवती बनी पत्नी, जबकि झज्जर की युवती पति बनी। लड़कियों ने पहले तो अपने परिवार के सदस्यों के साथ शादी करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन उन्होंने एक-दूसरे को भूल जाने के लिए कहा, यह कहते हुए कि यह समाज के खिलाफ है। इसके बाद, पटौदी की लड़की दस दिन पहले लापता हो गई, जिसके बाद उसके पिता ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने शनिवार को लड़की का पता लगाया तो उसने खुलासा किया कि उसने अपने दोस्त से शादी कर ली है। दोनों लड़कियों को शनिवार को पटौदी की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। उन्होंने अदालत को सूचित किया कि वे वयस्क हैं और उन्होंने एक मंदिर में शादी की है। हालांकि, लड़कियों के परिवार के सदस्यों ने उन्हें मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और दोनों ने साथ रहने का फैसला किया।

# आई-डीईएक्स-डीआईओ के माध्यम से रक्षा क्षेत्र में नवाचार के लिए 498.8 करोड़ की मिली मंजूरी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अगले पांच वर्षों के लिए रक्षा उत्कृष्टता में नवाचार (आई-डीईएक्स)- रक्षा नवाचार संगठन (डीआईओ) के लिए नवाचार हेतु 498.8 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता को मंजूरी दे दी है। बजटीय सहायता से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि आई-डीईएक्स- डीआईओ का देश की रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण का प्राथमिक उद्देश्य है।

रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) द्वारा आई-डीईएक्स के निर्माण और डीआईओ की स्थापना का उद्देश्य एमएसएमई, स्टार्ट-अप्स, व्यक्तिगत नवोन्मेषकों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और शिक्षाजगत समेत उद्योगों को शामिल करके रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक ईको सिस्टम का निर्माण करना और उन्हें अनुसंधान और विकास करने के लिए अनुदान/वित्तपोषण और अन्य सहायता प्रदान करना है जिसके भारतीय रक्षा और एयरोस्पेस जरूरतों हेतु भविष्य में अपना लिए जाने की अच्छी संभावना है।

अगले पांच वर्षों के लिए 498.8 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता वाली इस योजना का उद्देश्य डीआईओ फ्रेमवर्क के तहत लगभग 300 स्टार्ट-अप्स/एमएसएमई/ व्यक्तिगत नवोन्मेषकों और 20 साझेदार इनक्यूबेटर को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह रक्षा जरूरतों के बारे में भारतीय नवाचार पारितंत्र में जागरूकता बढ़ाने और इसके विपरीत भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान में उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अभिनव समाधान देने की उनकी क्षमता के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायता करेगा।

डीआईओ अपनी टीम के साथ नवोन्मेषकों के लिए चैनल बनाने में सक्षम होगा ताकि भारतीय रक्षा उत्पादन उद्योग के साथ जुड़ सकें और उनके साथ बातचीत की जा सके। समूह द्वारा लंबे समय में महसूस किया जाने वाला प्रभाव एक संस्कृति की स्थापना है, जहां भारतीय सेना द्वारा नवोन्मेषकों के प्रयास को सूचीबद्ध करना आम और अक्सर होता हो।

इस योजना का उद्देश्य भारतीय रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए नई, स्वदेशी और अभिनव प्रौद्योगिकियों के तेजी से विकास को सुगम बनाना है ताकि कम समय सीमा में उनकी जरूरतों को पूरा किया जा सके; रक्षा और एयरोस्पेस के लिए सह-निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए अभिनव स्टार्ट-अप्स के साथ संबंध स्थापित करने की संस्कृति का विकास करना; रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र के भीतर प्रौद्योगिकी सह-निर्माण और सह-नवाचार की संस्कृति को सशक्त बनाना और स्टार्ट-अप के बीच नवाचार को बढ़ावा देकर उन्हें इस ईको सिस्टम का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करना है।

डीडीपी पार्टनर इनक्यूबेटर (पीआई) के रूप में आई-डीईएक्स नेटवर्क की स्थापना और प्रबंधन के लिए डीआईओ को धन जारी करेगा; यह रक्षा और एयरोस्पेस जरूरतों के बारे में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पार्टनर इनक्यूबेटर सहित पार्टनर इनक्यूबेटर के माध्यम से एमएसएमई के नवोन्मेषकों/स्टार्ट-अप/प्रौद्योगिकी केंद्रों के साथ संवाद करेगा; यह संभावित प्रौद्योगिकियों और संस्थाओं को शॉर्टलिस्ट करने और रक्षा और एयरोस्पेस सेटअप पर उनकी उपयोगिता और प्रभाव के संदर्भ में नवोन्मेषकों/स्टार्ट-अप्स द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न चुनौतियों/हैकथॉन का आयोजन करेगा।

अन्य गतिविधियों में पायलटों को सक्षम और वित्तपोषित करने के उद्देश्य हेतु निर्धारित नवाचार निधियों का उपयोग करके पायलटों को सक्षम बनाना और उनका वित्तपोषण करना; प्रमुख नवीन प्रौद्योगिकियों के बारे में सशस्त्र बलों के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करना और उपयुक्त सहायता के साथ रक्षा प्रतिष्ठान में उनको अपनाए जाने को प्रोत्साहित करना; सफलतापूर्वक संचालित प्रौद्योगिकियों के लिए विनिर्माण सुविधाओं में स्केल-अप, स्वदेशीकरण तथा एकीकरण को सुगम बनाना और पूरे देश में आउटरीच गतिविधियों का आयोजन करना शामिल है।

## सरकार का बड़ा प्लान : अब देश के सुदूर इलाकों में ड्रोन से होगी कोरोना वैक्सीन की डिलीवरी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** देश में कोरोना वैक्सीनेशन को रफ्तार देने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। इसके तहत अब सरकार देश के उन सुदूर इलाकों में अनमैंड एरियल व्हीकल यानी ड्रोन के जरिये कोरोना वायरस की वैक्सीन पहुंचाने जा रही है, जहां के रास्ते दुर्गम हैं या जहां पहुंचना कठिन है। आईआईटी कानपुर की ओर से किए गए शोध में ऐसा संभव कहा गया है। मौजूदा समय में देश में सरकार के लिए कोरोना वैक्सीन खरीदने का काम सरकारी कंपनी एचएलएल लाइफकेयर करती है। इसकी सहायक कंपनी एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड ने इंडियन कार्उसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की ओर से देश के दुर्गम इलाकों में कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के लिए 11 जून को निविदाएं आमंत्रित की हैं। अभी सिर्फ तेलंगाना ही ड्रोन के जरिये कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के आइडिया पर काम कर रहा था। दुर्गम इलाकों में कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के लिए देखे जा रहे इन ड्रोन के बारे में आईसीएमआर भी पूरा अध्ययन कर चुका है। इसके अंतर्गत इस काम के लिए वो ड्रोन इस्तेमाल होंगे, जो 35 किमी तक जा सकें। साथ ही 100 मीटर की ऊंचाई तक उड़न भर सकें। आईसीएमआर ने आईआईटी, कानपुर के साथ मिलकर इस संबंध में एक शोध किया है। इसमें उसने यह देखा कि क्या ड्रोन के जरिये देश के दुर्गम इलाकों में कोरोना वैक्सीन पहुंचाई जा सकती है। आईसीएमआर का यह परीक्षण में सफल रहा।

## प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय की ओर से कोविड-19 परियोजनाओं में की गई मदद

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** देश के विभिन्न हिस्सों में जैसे ही कोविड-19 के मामले बढ़े, वैसे ही अस्पतालों में बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव आ गया था। इसके बीच अभिनव मॉड्यूलर अस्पताल एक बड़ी राहत बनकर सामने आया। मॉड्यूलर अस्पताल, अस्पताल के बुनियादी ढांचे का विस्तार है और इसे एक मौजूदा अस्पताल भवन के नजदीक बनाया जा सकता है। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय (ओ/ओ पीएसए, जीओआई) ने निजी क्षेत्र की कंपनियों, दानदाता संगठनों और व्यक्तियों को राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए आमंत्रित किया है। परियोजना विस्तार अस्पताल ऐसी ही एक पहल है। पीएसए के कार्यालय ने उन राज्यों के करीब 50 अस्पतालों की जरूरतों की पहचान की है, जहां सबसे ज्यादा कोविड-19 मामले सामने आए थे।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (आईआईटी-एम) में एक स्टार्ट-अप मॉड्यूलस हाउसिंग ने मेडिकैब अस्पतालों का विकास किया है। इसने 100 बिस्तरों वाली विस्तार सुविधा का निर्माण तीन हफ्तों में सक्षम बनाया है। मेडिकैब अस्पतालों को गहन देखभाल इकाइयों (आईसीयू) के एक समर्पित क्षेत्र के साथ डिजाइन किया गया है, जो विभिन्न लाइफ-सपोर्ट उपकरण और चिकित्सा उपकरणों को समायोजित कर सकता है। इन नकारात्मक दबाव वाले वहनीय अस्पतालों में लगभग 25 वर्षों का स्थायित्व होता है और इन्हें भविष्य में एक हफ्ते से भी कम समय में किसी भी आपदा प्रतिक्रिया के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है। तेज गति से शुरू किए जा सकने वाले ये अस्पताल, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक प्रमुख स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करेंगे।

## 24 घंटे में 80,834 नए मामले दर्ज किए गए, यह संख्या 71 दिनों के बाद सबसे कम

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** भारत में दैनिक नये मामलों की संख्या में लगातार कमी दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटे में देश में 80,834 दैनिक नये मामले दर्ज किए गए। लगातार छठे दिन देश में कोविड-19 के नये मामलों की संख्या एक लाख से कम दर्ज की गयी। यह केंद्र और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के सहयोग से किए जा रहे सतत प्रयासों का नतीजा है। भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या लगातार घट रही है। सक्रिय मामलों की संख्या गिरकर आज 10,26,159 हो गयी। लगातार 13वें दिन यह संख्या 20 लाख से कम है।

पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों की संख्या में कुल 54,531 की कमी आयी है। यह अब देश के कुल कोविड पॉजिटिव मामलों का केवल 3.49 प्रतिशत है।

साथ ही ज्यादा लोगों के कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ होने के साथ लगातार 31वें दिन बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की दैनिक संख्या कोविड-19 के दैनिक नए मामलों से ज्यादा है। पिछले 24 घंटे में बीमारी से 1,32,062 लोग उबरे हैं। पिछले 24 घंटे में दैनिक नये मामलों की तुलना में बीमारी से 51,228 ज्यादा लोग स्वस्थ हुए हैं।

भारत में महामारी के शुरू होने के बाद से पहले ही कुल 2,80,43,446 लोगों में कोविड-19 ठीक हो चुका है और पिछले 24 घंटे में बीमारी से कुल 1,32,062 लोग स्वस्थ हुए हैं। बीमारी से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर भी बेहतर होकर 95.26 प्रतिशत हो गयी है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में पिछले 24 घंटे में कुल 19,00,312 जांच हुई जिसके साथ अब तक हुए जांच की कुल संख्या 37.81 करोड़ से ज्यादा (37,81,32,474) है। जहां एक तरफ पूरे देश में कोविड की जांच बढ़ गयी है, वहीं दूसरी तरफ साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट भी लगातार घट रहा है। साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट इस समय 4.74 प्रतिशत है जबकि दैनिक पॉजिटिविटी रेट आज 4.25 प्रतिशत हो गया। यह लगातार 20 दिनों से 10 प्रतिशत से कम बना हुआ है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में कोविड-19 के टीके की दी जा चुकी खुराक की कुल संख्या 25 करोड़ से ज्यादा हो गयी थी। पिछले 24 घंटे में टीके की 34,84,239 खुराक दी गयीं। अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह सात बजे तक 35,05,535 सत्रों में कोविड-19 के टीके की कुल 25,31,95,048 खुराक दी जा चुकी हैं।

## कोरोना की तीसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी : धर्मेंद्र प्रधान

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने पंजाबी बाग स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में पी.एस.ए. ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में कोरोना की तीसरी लहर का संकेत मिलने के बाद से केंद्र सरकार इस बात को लेकर आश्वस्त होना चाहती है कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से सुदृढ़ रहे और इस बार ऑक्सीजन को लेकर किसी तरह की अफरा-तफरी का माहौल न बने। किसी भी बीमार की जान कम से कम ऑक्सीजन की कमी से न जाये। उन्होंने कहा कि इसके लिए पीएम केयर फण्ड से पूरे देश में 1213 पीएसए ऑक्सजीन प्लांट लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, अगले माह जुलाई में पूरा हो जाएगा। लगने वाले नये संयंत्रों की उत्पादन क्षमता प्रतिदिन 35000 मीट्रिक टन होगी। धमेर्न्द्र प्रधान ने कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय में आने वाली जितनी भी कंपनियां हैं सभी अपने सीएसआर फंड से जगह-जगह इस तरह के प्लांट लगा रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आज आई.जी.एल. के फंड से लगाया गया संयंत्र 2.5 टन का है जिसकी लागत 2.5 करोड़ रुपये है। इससे प्रतिदिन 400 से 500 सिलेंडर भरे जा सकते हैं। प्रधान ने कहा कि यहां से गैस भी सप्लाई हो सकती है और सिलेंडर भी भरे जा सकते हैं।

## ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने 30000 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन आपूर्ति का बनाया कीर्तिमान

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** भारतीय रेल सभी बाधाओं को पार करते हुए तथा नए समाधान निकाल कर देश के विभिन्न राज्यों में तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाना जारी रखे हुए है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने देश की सेवा में 30000 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन पहुंचा कर मील का पत्थर पार किया है। अभी तक देश के विभिन्न राज्यों में 1734 से अधिक टैंकरों में 30182 मीट्रिक टन से अधिक तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाई गई है। ज्ञात हो कि 421 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियों ने अपनी यात्रा पूरी कर विभिन्न राज्यों को सहायता पहुंचाई है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने देश के दक्षिणी राज्यों में 15000 एमटी से ज्यादा तरल मेडिकल ऑक्सीजन की डिलीवरी की है।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस द्वारा देश के दक्षिणी राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु को क्रमशः 3600, 3700 और 4900 एमटी से अधिक एलएमओ पहुंचाई गई है। इस विज्ञप्ति के जारी होने तक 2 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां 10 टैंकरों में 177 एमटी से अधिक एलएमओ लेकर चल रही हैं। ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने 50 दिन पहले 24 अप्रैल को महाराष्ट्र में 126 एमटी तरल मेडिकल ऑक्सीजन की डिलीवरी करने के साथ अपना काम प्रारंभ किया था। भारतीय रेलवे का यह प्रयास रहा है कि ऑक्सीजन का अनुरोध करने वाले राज्यों को कम से कम संभव समय में अधिक से अधिक संभव ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस द्वारा 15 राज्यों- उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और असम को ऑक्सीजन सहायता पहुंचाई गई है। इस विज्ञप्ति के जारी होने तक महाराष्ट्र में 614 एमटी ऑक्सीजन, उत्तर प्रदेश में लगभग 3797, मध्य प्रदेश में 656 एमटी, दिल्ली में 5722 एमटी, हरियाणा में 2354 एमटी, राजस्थान में 98 एमटी, कर्नाटक में 3782 एमटी, उत्तराखंड में 320 एमटी, तमिलनाडु में 4941 एमटी, आंध्र प्रदेश में 3664 एमटी, पंजाब में 225 एमटी, केरल में 513 एमटी, तेलंगाना में 2972 एमटी, झारखंड में 38 एमटी और असम में 480 एमटी ऑक्सीजन पहुंचाई गई है।

अब तक ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने देश भर के 15 राज्यों में लगभग 39 नगरों /शहरों में एलएमओ पहुंचाई है। इन शहरों में उत्तर प्रदेश में लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, बरेली, गोरखपुर और आगरा, मध्य प्रदेश में सागर, जबलपुर, कटनी और भोपाल, महाराष्ट्र में नागपुर, नासिक, पुणे, मुंबई और सोलापुर, तेलंगाना में हैदराबाद, हरियाणा में फरीदाबाद और गुरुग्राम, दिल्ली में तुगलकाबाद, दिल्ली कैंट और ओखला, राजस्थान में कोटा और कनकपारा, कर्नाटक में बेंगलुरु, उत्तराखंड में देहरादून, आंध्र प्रदेश में नेल्लोर, गुंटूर, तड़ीपत्री और विशाखापत्तनम, केरल में एर्नाकुलम, तमिलनाडु में तिरुवल्लूर, चेन्नई, तूतीकोरिन, कोयंबटूर और मदुरै, पंजाब में भटिंडा और फिल्लौर, असम में कामरूप और झारखंड में रांची शामिल हैं। रेलवे ने ऑक्सीजन सप्लाई स्थानों के साथ विभिन्न मार्गों की मैपिंग की है और राज्यों की बढ़ती हुई आवश्यकता के अनुसार अपने को तैयार रखा है। भारतीय रेल को एलएमओ लाने के लिए टैंकर राज्य प्रदान करते हैं। पूरे देश से जटिल परिचालन मार्ग नियोजन परिदृश्य में भारतीय रेल ने पश्चिम में हापा, बड़ौदा मुंदड़ा, पूर्व में राउरकेला, दुर्गापुर, टाटा नगर, अंगुल से ऑक्सीजन लेकर उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश तथा असम को ऑक्सीजन की डिलीवरी की है।